TEACHER'S HANDBOOK

हिंदी पाठमाला-6

उत्तर पुस्तिका

FRANKLIN

नई किरण हिन्दी पाठमाला-6

PART - 6

Ch-1(इतने ऊँचे उठ)

1- क- हवा के समान गतिमय होने का अर्थ है परिस्थति के अनुरूप निरंतर परिवर्तन की ओर बढ़ते रहना।
ख- जाति-भेद, रंग-द्वेष, धर्म-वेश को त्याग कर हम संसार में भेदभाव रहित रह सकते है।
ग- सूरज,चाँद,चांदनी,तारे प्रतिपल हमारे साथ है।
घ- प्रस्तुत कविता के रचयिता का नाम "द्वारिका प्रसाद महेश्वरी" है।

2- क- प्रस्तुत कविता में शीतल बहने का अर्थ है कि हमें क्रोध को त्याग कर मलय पवन की तरह शीतल रहना चाहिए।
ख- दुनिया को एक दृष्टि से देखना इसलिए आवश्यक है ताकि धरा को भेदभाव रहित बनाया जा सके।
ग- परिवर्तन के समान गतिमय से तात्पर्य है कि परस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालते हुए सदैव आगे बढ़ते रहना।
घ- ऊँचा उठने का अर्थ है कि सबको एक समान दृष्टि से देखते हुए अपने विचारों को ऊपर उठाना।

3- क- मलय पवन के समान ख- परिवर्तन जीवन का सत्य है ग- स्वर्ग लोक जैसा घ- मानव कल्याण

4- क- समता ख- पवन ग- बंधन घ- परिवर्तन 5- do it yourself.

6- क- हमें निरंतर भविष्य का चिंतन करते रहना चाहिए।
ख- ईश्वर प्रतिपल हमारी रक्षा करते रहते है।
ग- भौतिक वस्तुओं का आकर्षण सदैव हितकारी नहीं होता।
घ- हमे अतीत को भूलकर आगे बढ़ना चाहिए।
ड- इश्वर शाश्वत है।

7- Do it yourself. 8- Do it yourself.

9- आकर्षण ख- जीर्ण ग- वृष्टि घ- स्वर्ग ड- प्रवाह च- भेदभाव छ- ज्वाला ज- प्रतिपल

10- क- रेखांकित ख- परम्परा,संस्कार,उज्जवल ग- पराधीन घ- भविष्योन्मुखी

11- क- मदकल, गजेंदर, मतंग ख- आसमान,गगन,अम्बर ग- दुनिया, जग, जगत घ-संसार, जग,जगत

12- क-असत्य ख- पाताल ग- विजय घ-अज्ञान

13- क- दुर्लभ ख- परलौकिक

14- क- हमें हार से सदैव सीखना चाहिए।
ईश्वर को हार चढ़ाया जाता है।
ख- रमेश मोहनलाल की सम्पति का अकेला वारिस है।
बारिश में बच्चों-बड़ों को भेजना अच्छा लगता है।

15- क- को ख- से ग- को घ-पर ड- से 16- Do it yourself. 17- Do it yourself.

Ch-2(स्वयं का निर्माण)

1. क- सभी दरवाज़े और खिड़कियों को खोलकर स्वच्छ वायु को अंदर आने देना।
ख- शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए खाने-पीने, स्वच्छ वायु और व्यायाम की आवश्यकता होती है।
ग- अवगुणों को दूर करने के लिए हमे संकल्प-विकल्प का चिंतन नहीं करना चाहिए।
घ- बोध धर्म के व्यायाम के चार अंग बताये गए है।
2. क- स्वस्थ स्वरूप के लिए गंभीरता, अस्वस्थ, शांति की आवश्यकता होती है।
ख- हमें अपने अवगुणों को दूर करने के लिए संकल्प और दृढ़ होना चाहिए।
ग- यदि हम संकल्प-विकल्पों द्वारा अपने अवगुणों को मज़बूत न बनाये तो हमारे अवगुण अपनी मौत खुद ही मर जायेंगे।
घ- व्यक्ति से ही समाज का निर्माण होता है।
3. क- हमें प्रकृति से प्यार करना चाहिए।
ख- हमें अपने अवगुणों को दूर करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए।
ग-सदैव सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए।
घ- व्यक्ति की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए।
4. क- व्यक्तियों ख-समाज, व्यक्ति ग- समाजिक घ- दार्शनिक
5. क- गलत ख-गलत ग- सही घ- सही
6. क-बोध धर्म के ख- यूनान के ग- अभ्यास द्वारा घ- अस्तु
7. क- अनुकूल ख- अवगुण ग- विशेष घ- विशिष्ट
8. Do it yourself. 9- Do it yourself. 10- Do it yourself.
11. क- हमें प्रतिदिन व्यायाम करना चाहिए।
ख- हमें अपने अवगुणों को दूर करने के लिए कोई संकल्प न बनाकर चिंतन करना चाहिए।
ग-सदैव प्रकृति का सम्मान कीजिये।
घ- प्रत्येक प्राणी धरा पर विशेष है।
12. क-अच्छाई ख- स्वछता ग- सफलता घ- गंभीरता
13. क-सद+गुण ख- प्रति+कूल ग- प्र+आवृति घ- प्रति+एक
14. क- बेटी की शादी कर के सोहनलाल गंगा नहा लिया।
ख- ज़रूरतमंदों के आँसू पोछने पर इश्वर भी प्रसन्न होता है।
ग-सोहन पढ़ाई में तो ठीक-ठाक है लेकिन उसका अव्वल आना उल्टी गंगा बहाने जैसा काम है।
घ- रमेश के रोज देर से आने पर और नशा करने के शक में आज उसे कसौटी पर कसा गया।
15. क- व्यायाम ख- असंभव ग- व्यक्ति घ- व्यर्थ
16. क-महा + वीर (कर्मधारय समास) ख- चतुर + भुज (बहुव्रीहि समास)
ग- आ + जीवन (अव्वायीभाव समास) घ- महा + आत्मा (कर्मधारय समास)
17. क- अरि---(शत्रु) हमें अपने अरि से सावधान रहना चाहिए।
अरी---(सम्बोधन एस्ट्रियों के लिए) अरी सुषमा आप कब आये?
ख- शांत---- हमें शांति से काम करना चाहिए।
सांत ---- सदीव सांत रहे।
ग- अपेक्षा----अवगुणों को अपनाने की अपेक्षा सद्गुणों को अपनाना चाहिए।
उपेक्षा---- हमे किसीकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।
घ- आदि ---(शुरू) नवयुग का आरम्भ उत्साह और उमंग के साथ करना चाहिए।
आदी----(आदत होना) किसी भी चीज़ का आदी होना नुकसानदायक होता है।

18. क- विज्ञान की परीक्षा क्या पास कर ली तुम तो खुदको डॉक्टर समझने लगे सच ही है अड़जाल गगरी छलकत जाये
ख- व्यापार में उधार अच्छा नहीं, इस हाथ देना, उस हाथ लेना, यही बेहतर है।
ग- राधा ने समय पर प्रोजेक्ट नहीं दिखाया और उसे उसमें शून्य अंक प्राप्त हुए। ठीक ही हुआ – जैसी करनी वैसी भरनी।

19. Do it yourself. 20- Do it yourself.

Ch-3 (वन : हमारी अमूल्य संपदा)

1. क- प्रकृति ने धरती को अनेक वृक्ष तथा वनस्पतियां दी हैं जो अमूल्य है जिन्हे वन सम्पदा कहा जाता है।
ख- भूमि की उर्वरा शक्ति वृक्षों के द्वारा बढ़ती है।
ग- पर्यावरण का आधार वृक्षों को माना गया है।
घ- वन हमारे लिए भूमि संरक्षण, भूमि कटाव एवं प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के काम आते है।
2. क- वन प्राणियों को ऑक्सीजन देकर और कार्बोंडिऑक्सद लेकर, वृक्ष लहकर पर्यावरण को संतुलित रख सकते है।
ख- वृक्षों का संरक्षण प्राकृतिक आपदाओं को रोकने और भूमि कटाव को बचने के लिए आवश्यक है।
ग- वन सम्पदा से पृथ्वी के जीवो को प्राणवायु मिलती है साथ ही जीवन जीने के लिए बहुमूल्य पदार्थ भी हमें वन से ही प्राप्त होते है।
घ- वनो को काटने से रोकने और ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करने से हमे और हमारी धरती को लाभ है।
3. क- हरा सोना ख- पानी ग- कार्बोंडिऑक्सीडे ,ऑक्सीजन घ- अमूलय
4. क- भूमि ख- वृक्ष ग- गैस घ- ईधन
5. क- वृक्ष ख- ये सभी ग- पर्यावरण का तापमान बिगड़ने से
6. क- हमें वृक्षों का संरक्षण करना चाहिए।
ख- वृक्ष हमारे पर्यावरण को संतुलन में बनाये रखने में हमारी मदद करते है।
ग- पर्यावरण का सुरक्षित रखना मानव का प्राथन कर्तव्य है।
घ- वन हमारे लिए भूमि संरक्षण, भूमि कटाव एवं प्राकृतिक आपदाओं को रोकने में हमारे सहायक है।
7. Do it yourself. 8- Do it yourself 9- Do it yourself. 10- Do it yourself
11. क- अस्वस्थ ख- अशुद्ध ग- असुरक्षित घ- अमूलय
12. क- शाखाएं ख- पौधे ग-वृक्षों घ- क्षेत्रों
13. क-सर्व+अधिक ख- अत्य+धिक् ग-महा+उदय घ- परी+आवरण
14. क-यदि हम वृक्षों को यूही काटते रहे तो हम भविष्य में अपने पाँव पर खुद ही खुलाहड़ी मार लेंगे।
ख- रोहन अपने कार्यक्षेत्र पर बुरे काम को कर के स्वयं से साबित कर रहा की वह जिस दाल पर बैठा है उसी को काट रहा है।
ग- राधा प्रिय की शादी में स्टेज से टस से मस नहीं हुई।
घ- महेश को एक साइकिल के साथ इनाम में २०० रूपए भी मिले .. ये तो व्ही बात हुई आम के आम गुठलियों कके दाम।।
15. क- देखो कौन आया है? ख- जो करेगा,सो भरेगा।
ग-तुम भी कृपा कर के काम कर लो। घ- मैं संकल्प लेता हूँ कि वनो कि रक्षा करूँगा।

16. क-उन्होंने रोक के पूछा पेड़ कहा है? ख- मेरे मन निराश होने कि ज़रूरत नहीं है।
ग-सब जीव-जंतु भाग कर इधर-उधर छिप गए। घ- प्रकृति कि रक्षा कौन करेगा?
17. क-हम ऑक्सीजन वृक्षों से लेते है। ख- यात्री पेड़ कि छाया में बैठे है।
ग-पक्षी अपना घर वृक्षों में बनाते है। घ- वन से जीवन सुरक्षित है।
18. Do it yourself. 19- Do it yourself. 20- Do it yourself. 21- Do it yourself.

Ch-4 (उन्नति का मंत्रा)

1. क- अँधेरे में चाँद मुस्काता है।
ख-अँधेरी रात में धरती ओस-कानो से धुलती है।
ग- समय मान तथा प्राण।
कविता में समय केमुलाय को पहचानने के लिए कहा है।
2. क- हमारे जीवन में बालपन,जवानी, बुढ़ापा इतियादी परिवर्तन आते है।
ख- सबसे मूलयवान वास्तु समय है इसे व्यर्थ न गवा कर व्यवहार में लाना चाहिए।
ग- सुख कि इच्छहा रखने के लिए समय को बचाना वशक है।
घ- कविता में उन्नति को प्राप्त करने के लिए आलसी न होने का मन्त्र दिया गया है।
3. क-चाँद ख- जरा ग-नदिया-नाले घ- इच्छा,समय ड- विद्या
4. क-खिलना ख- उड़ना ग-बदलना घ- समय ड- उन्नति का च- सुख
5. क-रास्ता ख- फूल ग-जवानी घ- समय
6. Do it yourself. 7- Do it yourself.
8. क- पुल्लिंग ख- स्त्रीलिंग ग-स्त्रीलिंग घ- पुल्लिंग ड-स्त्रीलिंग
च-पुल्लिंग छ- पुल्लिंग ज- स्त्रीलिंग
9. क-। ख-। ग-!। घ- ?
10. क- लौटी ख- रियल ग- झाड़ी घ- बिछौना ड- प्रतिज्ञा च- सुनहरा
छ- उपजाऊ ज- ईमानदारी
11. Do it yourself. 12- Do it yourself. 13 - Do it yourself.

Ch-5 (परिवर्तन)

1. क- मास्टरजी का नाम वेदप्रकाश था।
ख- गांव वालो की यह शिकायत थी कि जो भी अध्यापक यह आते है वह बच्चों को पढ़ाते नहीं और अधिकतर छुट्टी पर ही रहते है।
ग- बच्चे अख़बार केलिफ़ाफ़े बनाना, सुतली कि पट्टी, मूज़ के आसन, ढाक के पत्तों के दोने-पत्तल बनाने जैसे कार्य बड़ी कुशलता से करने लगे थे।
घ- मास्टर जी ने प्रोढ़ पाठशाला का समय सायः का एक घंटा रखा।
2. क- मास्टरजी को नियुक्ति का समाचार सुनकर बुरा इसलिए नहीं लगा क्यूंकि वह समाज की सेवा करना चाहते थे।
ख- गांववालों की प्रमुख समस्या यही थी कि जो भी अध्यापक यहां आते है वह अधिकांश तौर पर छुट्टी पर रहते है और बच्चों को पढ़ाते नहीं।
ग- मास्टर जी अक्षर ज्ञान के साथ-साथ व्यहवारिक ज्ञान, पुस्तकों में कहानियां पढ़कर सुनाना, सरकार किसानो की सहायता कैसे करती है ,बीमारियों से कैसे बचा जाये आदि ज्ञान पर शिक्षा देते थे।
घ- मास्टर जी के सदविचार,अद्व्यावसाय और संकल्प ने गांव के बड़े-बूढ़ों के साथ-साथ नौजवानों को भी प्रगति की दिशा दी थी जिस वजह से प्रत्येक व्यक्ति मास्टर जी को अपना हितेषी मानने लगा था।
ड- पांच ही वर्षों में गांव से कचरे को खदेड़ कर कूड़े और कम्पोस्ट के गड्ढे बना दिए, सभी घरों में साफ-सफाई कर गोबर से घरों को लीपने की होड़ लगना, गांव की गलियों को साफ़-सुथरा बनाने से निरक्षण अधिकारी मास्टर जी बहुत प्रभावित हुए।

3. क- मास्टरजी, पदोनति ख- कूड़ाघर और कम्पोस्ट ग- व्यक्ति निर्माण,परिवार निर्माण और समाज निर्माण घ-मास्टरजी 4- Do it yourself.
5. क- मास्टरजी को सभी अपना हितेषी मानने लगे थे।
ख- गांव में निरक्षण अधिकारी मास्टर जी के कार्यों से बहुत प्रभावित हुआ।
ग- मास्टर जी ने व्यक्ति, परिवार और समाज कल्याण एवं निर्माण में परिवर्तन करने का संकल्प उठा लिया था।
घ- मास्टर जी की नियुक्ति एक गांव में हो गयी है।
ड- गांव में मास्टरजी ने प्रौढ़ शिक्षा की भी शुरुवात कर डाली।
6. इन सारी गतिविधियों से छोटू आगे बढ़ रहा है। तभी जाने कहीं से सिपाही चले आये और उसको घर छोड़ने लगे। घर पर माँ इंतज़ार कर रहीं है। बस अब उसकी खैरियत नहीं है। उसके पापा न हो तो उसका बचाव मुस्किल है।
7. क- वह व्यक्ति जो गुण और विद्या कम होने पर भी आडम्बर करे।
ख- घर की वस्तु या व्यक्ति को कोई महत्व न देना।
ग- बुद्धि शारीरिक शक्ति से अधिक श्रेष्ठ होती है।
घ- कम उम्र या अनुभव वाले मनुष्य का लम्बी – चौड़ी बातें करना।
ड- आपसी फूट से भेद खुलना।
8. Do it yourself. 9- Do it yourself. 10. - Do it yourself.

Ch-6 (प्रकाश)

1. क- व्यापारी विकास नगर में निवास करता था।
ख- व्यापारी अपनी सम्पति को उसे देना चाहता था जो अपने को श्रेष्ठ साबित करेगा।
ग- व्यपारी ने अपने बच्चों में एक रुपया वर्गीकृत किया।
घ- व्यापारी ने बुद्धिमता जानने के लिए दोनों पुत्रों से कहा कि बाजार से एक रूपए में ऐसी चीज़ लाना जो एक रूपए के खर्च में ही पूरे घर को भर दे।
ड- धनवान व्यापारी की आर्थिक स्थिति अच्छी थी।
2. क- अपने पुत्रों को व्यापारी इसलिए परखना चाहता था ताकि वह अपनी सारी सम्पति दोनों में न बांटकर केवल उसे दे जो स्वयं को श्रेष्ट साबित करे।
ख- शर्त का पालन करने हेतु व्यापारी के दोनों पुत्र आदेशानुसार बाजार से एक रूपए में घर भरने वाली वस्तु को खरीदने निकल गए।
ग- उत्तराधिकारी की परीक्षा में छोटा पुत्र सफल हुआ क्यूंकि उसने एक रूपए में मोमबत्ती खरीद कर सरे घर को प्रकाश से भर दिया था।
घ- किसी भी देश की उन्नति तब तक नहीं हो सकती जब तक उसके नागरिक देशप्रेम और देश-सेवा का प्रयास कर अच्छे नागरिक नहीं बनते।
ड- प्रत्येक व्यक्ति के पास शारीरिक, बौद्धिक और चारित्रिक बल होता है जिसके प्रभाव से वह अपने देश व देशवासियों की प्रगति में एक सभ्य नागरिक बनकर न सिर्फ अपना योगदान दे सकता है अपितु दूसरे लोगो के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शक भी साबित हो सकता है।
3. क- मुर्झाहट, वृद्धावस्था ख- दुकानों ग- सोच-विचार घ- बुद्धिमता
ड- शिक्षा
4. क- अनुभवी ख- प्रकाश की ग- भूसा घ- मोमबत्ती ड- देशसेवा
5. क- व्यपारी ने अपने दोनों पुत्रों से कहा। ख- व्यपारी ने अपने दोनों पुत्रों से कहा।
ग- व्यपारी ने अपने छोटे पुत्र से कहा। घ- व्यपारी ने अपने दोनों पुत्रों से कहा।

6. Do it yourself.
7. क- ख़ुशी,उमंग ख- निपुण,सक्षम ग- मशहूर,ख्याति घ- अग्रसोची,दीर्घप्रज्ञ
8. क- चुनाई ख- बुराई ग- बुद्धिमानी घ- राष्टीयता
9. क- वह अभी-अभी बाजार को निकल गया क्यूंकि उसे कुछ ज़रूरी सामान खरीदना था।
   ख - उसने समय रहते ट्रैन पर चढ़ना चाहा मगर ट्रैन प्लेटफार्म से निकल चुकी थी।
   ग- वह अपने भाई की शादी में तो पहुंच गया परन्तु अत्यधिक बीमार होने के कारण वह कुछ सहयोग नहीं करपाया।
   घ- हम सभी के लिए अक्षर ज्ञान के साथ-साथ व्यहवहारिक ज्ञान, खेलना एवं योग करना भी आवश्यक है।
10. Do it yourself.

Ch-7 (भक्ति वेफ पद)

1. क- संतोष धन पाने के लिए तुलसीदास जी ने बताय कि दुनिया के सब प्रकार के धन से ऊपर संतोष धन है क्यूंकि जब यह धन आ जाता है तो बाकि सभी धन तुछ समान हो जाते है।
   ख - संत को तुलसीदास जी ने वृक्ष के समान बताया है।
   ग- कबीरदास के मतानुसार बुराई हमारे स्वयं में ही छिपी है।
   घ- तीनो लोको में सबसे बढ़कर गुरु है।
   ड- श्याम की भक्ति में मीरा बाई लीन हो गयी थी।
2. क-आम का पेड़ दूसरों के लिए फूलता है।
   ख - विद्या, विनय, विवेक और सहस को विपत्ति का साथी कहा गया है।
   ग- संतोष रूपी धन के आगे गौ धन, गजधन, रतनधन धूल के समान है।
   घ- कबीरदास जी के महातम्य में हरिभजन द्वारका,जगन्नाथ और मथुरा से भी ऊपर है।
   ड- हरिभजन की संगति के बिना जगन्नाथ का सौभाग्य नहीं मिलेगा।
3. क- परहेत ख- रतन ग- विवेक घ- बलिहारी ड-हरिभजन
4. क- आत्माराम ख- 1398 ग-1547 घ-राजा ड-कबीरदास के पिता
5. क- विनय ख- स्वयं को ग- गुरुको घ- कृष्णजी ड-कृष्ण भक्ति
6. भावार्थ:
   क- तुलसीदास जी कहते हैं कि मनुष्य के पास भले ही गौ रूपी धन हो, गज (हाथी) रूपी धन हो, वाजि (घोड़ा) रूपी धन हो और रत्न रूपी धन का भंडार हो, वह कभी संतुष्ट नहीं हो सकता। जब उसके पास सन्तोष रूपी धन आ जाता है, तो बाकी सभी धन उसके लिए धूल या मिट्टी के बराबर है। अर्थात् सन्तोष ही सबसे बड़ी सम्पत्ति है।
   ख- कबीर दास जी कहते हैं कि मैं सारा जीवन दूसरों की बुराइयां देखने में लगा रहा लेकिन जब मैंने खुद अपने मन में झाँक कर देखा तो पाया कि मुझसे बुरा कोई इंसान नहीं है। मैं ही सबसे स्वार्थी और बुरा हूँ भावार्थात हम लोग दूसरों की बुराइयां बहुत देखते हैं लेकिन अगर आप खुद के अंदर झाँक कर देखें तो पाएंगे कि हमसे बुरा कोई इंसान नहीं है।
   ग- प्रस्तुत पंक्तियों में मीरा कह रही हैं कि उन्होंने कृष्ण के नाम का रत्न धन पा लिया है। उनके सतगुरु ने उन्हें अपनाकर उनपर कृपा की तथा इस नाम रूपी अमूल्य धन को सौंपा। मीरा ने इस संसार में सब कुछ खो कर इस जन्म जन्म की पूंजी को पाया। ये नाम रूपी धन ऐसा है जो न खर्च करने से कम होता है और न इसे कोई चोर लूट पाता है, इसमे तो दिनों दिन सवा गुणा बढ़त होती रहती है। मीरा ने सत्य की नाव जिसके खेवनहार सतगुरु हैं पर बैठ कर भवसागर पार कर लिया है। मीरा कहती हैं कि मेरे प्रभु गिरिधर श्रीकृष्ण हैं और में उन्ही का यश गाती हूँ।
7. Do it yourself.
8. क- गहना ख-ख़ुशी ग- गहनों का व्यपारी घ- उपचारक
   ड- देखना च-अपना छ-कोई ज-करना

9. क- नींद ख-दांत ग-नांच घ-कोयल ड- कुम्हार च-बड़ा छ- भंवरा ज-आम
10. क-सोहन को जब मोहन से धोखा मिला तब जाकर सोहन की आँख खुली।
ख-मुंशी ने कारखाने के कर्मचारियों के कान सेठ के खिलाव भर दिए ।
ग- वह! क्या बात है दोनों भाइयों को देखने में बस उन्नीस-बीस का अंतर लगता है।
घ- समिति के सदस्यों ने मुखिया का भंडाफोड़ कर दिया।
11. Do it yourself.
12. क- विष्णु शर्मा ख-सूरदास ग-गोस्वामी तुलसीदास घ- जयदेव
ड- मालिक मोहमद जायसी च- महाकवि भृतहरि
13. Do it yourself.

Ch-8(कान्हा अभ्यारण्य से पत्र)

1. क-कान्हा जबलपुर के चिरई डोंगरी में स्तिथ है।
ख- यह पत्र शुतांशु ने सुलक्षणा को लिखा।
ग- अभ्यारण्य में सभी जीव-जंतु अपना जीवन सहज रूप से बिताते है।
घ- 950 वर्ग किलोमीटर में समूचा वनस्थली क्षेत्र फैला है।
2. क-कान्हा अभ्यारण्य की स्तिथि बहुत ही मनोरम है। यह सभी वन्य-जीव अपना जीवन सहज और निडरता से बिताते है। यह की वनस्थली रंग-बिरंगे फूलों और घने वृक्षों से भरी है। ९५० वर्ग किलोमीटर में बनी यह वनस्थली में साल भर हरियाली बनी रहती है।
ख- लेखक ने अभ्यारण्य में ठहरने के लिए डाक-बंगले का प्रबंध किया था।
ग- अभ्यारण्य में हिरणों के झुण्ड, नीलगाय, बारासिंघा, सांभर, जंगली भैंसे, चीतल, हाथी, बाघ और कई तरह के पक्षी देखने को मिले।
घ- कान्हा वनस्थली में सागवान, साल, तेंदू, कैर, पलाश आदि के अनगिनत पेड़ देखने को मिले।
3. क- सही ख-गलत ग-सही घ- सही ड- सही 4- Do it yourself.
5. क-कान्हा अभ्यारण्य की स्तिथि बहुत ही मनोरम है।
ख- जबलपुर क्षेत्र भारत का हिस्सा है।
ग- कान्हा अभ्यारण्य वनस्थली में सागवान, साल, तेंदू, कैर, पलाश आदि के अनगिनत पेड़ हैं।
घ-कान्हा अभ्यारण्य की स्तिथि बहुत ही मनोरम है।
ड- भारत में चीतल जीव की संख्या बहुत काम होती जा रही है।
6. क-रोको मत,जाने दो। ख- विज्ञानं वरदान या अभिशाप?।
ग- वाह! कितन सूंदर वृक्ष है। घ-राम,लक्ष्मण,भारत और शत्रुघ्न भाई थे।
7. क- आयोजना ख-भ्रमर ग-Nil घ- Nil
8. क- आ ख-अभी ग- उत् घ- व्य ड- अध च- ला
9. क- और ख-या ग-परन्तु घ- सभी ड- अन्यथा
10. क-(राह देखना) - श्रीराम के आने की अभिलाषा में भीलनी आँखें बिछाये बैठी रही।
ख- (कोई तकलीफ न देना) - माता-पिता अपने बच्चों पर कभी कोई आंच नहीं आने देते।
ग- (दूर की हांकना) रमेश सभी के आगे विदेश जाने के लिए हवाई किले बनता रहता है।
घ-(घबरा जाना) - परीक्षा परिणाम से पहले सोहन के हाथ-पाँव फूलने लग गए।
11. Do it yourself. 12- Do it yourself. 13. - Do it yourself.

Ch-9 (बहुरुपिया)

1. क- बहरूपिये का अर्थ है नकली भेस बनाना।
ख- सेठ बहरूपिये के पास सेठानी को लेकर गया।
ग- बहरूपिये के वेश में नौकर था। घ-सेठ ने बहरूपिये को धन सम्पति देनी चाही।
2. क- बहरूपिये ने साधु का वेश सेठ का मार्गदर्शन करने के उदेश्य से धारण कर रखा था।
ख- बहरूपिये ने सेठ को यह उपदेश दिया कि "जिस धन को मैं तुझे त्यागने को कह रहा हूँ, तू उसी की माया में मुझे क्यों फसता है? जो तेरे लिए मिटटी है, वह मेरे लिए तो और भी पहले मिटटी है ।

ग- बहरूपिये ने स्वयं ही अपनी सचाई सेठ के सामने उजागर कर दी।
घ-बहरूपिये ने सेठ की दौलत इसलिए ठुकरा दी क्यूंकि यदि को साधु बहरूपिये का वेश धारण कर लोगो को ठगेगा तो लोगो का साधुओं पर से विश्वास उठ जायेगा।

3. क- साधु ख-धन ग-विश्वास घ- पत्नी
4. क- नौकर ख-पत्नी ग-अशर्फिया घ- साधु
5. Do it yourself. 6- Do it yourself.
7. क- साध्वी ख-धोबिन ग-पुजारिन घ- सेठानी
8. क-कुटियाँ ख-नगरों ग-डोलियाँ घ- आँखें
9. क-गरीब ख-गुरु ग-बदनामी घ- दुखी
10. क-ने,को ख-कै,को ग-की घ- पर
11. क-धन,दौलत,सम्पदा ख-आराधना,साधना, ग-मुनि,योगी,संत
घ- ईनाम, पारितोषिक,बक्शीश

12- Do it yourself. 13- Do it yourself. 14 - Do it yourself.

Ch-10 (हिरोशिमा की पीड़ा)

1. क- अचानक लेखक की नींद उचट जाती है।
ख- अनु-अस्त्रों का अविष्कार करने वाले वैज्ञानिक नरसंहार का समाचार सुनकर नहीं सोये होंगे।
ग- अनु बम्ब के आविष्कारकों को इतिहास कभी माफ़ नहीं करेगा।
घ-प्रस्तुत घटना जापान के दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी में हुई थी।
2. क- देश के विकास में किये जाने वाले कार्यों में परमाणु अस्त्रों का प्रयोग उचित होता है न कि नरसंहार करने में।
ख- परमाणु बम्ब बनाने से भले ही कोई देश जीत गया परन्तु मानवता हार गयी। जिसके कारन हिरोशिमा,नागासाकी के असंख्य लोग मौत की गोद में सो गए और आने वाली कई पीढ़िया विभिन प्रकार के रोगो से ग्रस्त हो गयी।
ग- प्रस्तुत कविता में हिरोशिमा-नागासाकी पर हुए परमाणु हथियारों के आक्रमण ने इतिहास पर अपनी छोड़ी है।
घ- कवि वैज्ञानिकों से यह पूछना चाहता है कि ऐसा नरसंकर देखकर भी क्या उन्हें रात में नींद आयी? क्या उन्हें किसी क्षण इस बात की अनुभूति हुई कि उनके हाथों जो हुआ वह अच्छा नहीं हुआ।

3. क-परमाणु ख-वैज्ञानिकों को ग-नरसंहार घ- परमाणु बम्ब का
4. क-परमाणु ख-अनुभूति ग-मानवता घ- जापान
5. क- वर्तमान युग अविष्कार का युग है।
ख- बेहतर स्वास्थ्य के लिए हमें भरपूर नींद लेनी चाहिए।
ग- कल भीषण आंधी के साथ तेज़ बारिश भी हुई थी।
घ- अपने मित्र के विवाह का समाचार सुनकर मुझे अति प्रसनता हुई।

6. Do it yourself. 7-Do it yourself. 8-Do it yourself.
9. क-आ,अ ख- वि, ई ग-इक, ता घ- प्र, इक
10. क- भूतकाल ख- वर्तमानकाल ग-भूतकाल घ- वर्तमानकाल
11. क – भारतियों ने स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजो के दाँत खट्टे कर दिये।
ख- इस दुनिया मे जले पर नमक छिडकने वालो की कमी थोडे थी जो तुम और आ गए।
ग- रमेश कहने को तो मेरा दोस्त बनता था, लेकिन सिर्फ़ पाँच सौ रुपयों के लिए मेरी गर्दन पर सवार हो गया.
घ- खीना के बेटे को नोकरी करते देखकर दिव्या ने कहा की हर मॉ बाप का सपना होता है की उसका बेटा अपने पैरो पर खाड़ा हो जाए।
12. क- ज़रूरत से कम वास्तु का मिलना- गांव में रहने वाले चाचा जी हमारे यहाँ आए तो छोटी सी कटोरी में दाल देख कर हंस पड़े; बोले ऊँट के मुँह में जीरा वाली बात चरितार्थ हो गई.

ख- विपत्ति में पड़े हुए मनुष्य को थोड़ा सहारा प्राप्त होना- आर्थिक स्थिति खराब चल रही थी। ऐसे में घर में चूल्हा भी नहीं जल पा रहा था अचानक से एक पुराने पर्स में ५ का एक नोट पड़ा मिला तो परिवार वाले बहुत खुश हुए इसे कहते हैं डूबते को तिनके का सहारा।
ग- गुणी व्यक्ति का मूल्य, गुणवान व्यक्ति ही समझता है- मेरे बेटे ने पटना मेडिकल कॉलेज से डॉक्टरी की पढ़ाई पास की। दो साल तक वह अच्छे अस्पताल में नौकरी की कोशिश करता रहा, पर उसे अच्छी नौकरी नहीं मिली। हारकर उसने आस्ट्रेलिया में एप्लाई किया। उन लोगों ने उसे तुरंत बुला लिया। सच ही कहा गया है कि हीरे की परख जौहरी ही जानता है।
घ-एक खराब चीज सारी चीजों को खराब कर देती है- कुछ मुनाफाखोरो की वजह से संपूर्ण व्यापारी वर्ग बदनाम हो रहा है सही कहा गया है एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है।

13. क- सर्व+श्रेष्ठ = बहुव्रीहि समास ख- नर+संहार= तत्पुरुष समास
ग- यथा+गमन =बहुव्रीहि समास घ- शोक+गमन= तत्पुरुष समास

14. क- तुमने तो शत्रु को लोहे के चने चबवा दिए ख- देश में सर्वत्र शांति व्याप्त है।
ग- माफ़ कर देने में ही बड़े है। घ-देश के लिए प्राण कुर्बान करना सैनिक का कर्तव्य है।

15. Do it yourself. 16- Do it yourself.

17. क- फ्रांस,पोलैंड,यूनाइटेड किंगडम,ऑस्ट्रेलिआ,कनाडा,न्यूज़ीलैण्ड,साउथ अफ्रीका, रूस,जेर्मनी,जापान ख- फैटमैन , लिटलबॉय ग- हाइड्रोजन बंब

18. Do it yourself.

Ch-11 (मुम्बई : मायानगरी की यात्रा)

1. क- मुंबई को बम्बई नाम अंग्रेज़ों ने दिया ख-मुंबई शहर एक टापू पर बसा है।
ग- मुंबई को भारत कि आर्थिक राजधानी कहा जाने लगा है।
घ- मुंबई मुम्बा देवी के नाम पर बसा शहर है।

2. क- भारत का "बॉलीवुड" मुंबई शहर को कहा जाता है
ख- मुंबई का प्रवेश द्वार गेटवे ऑफ इंडिया है क्यूंकि मुंबई देश का मुख्य द्वार है जिस कारण से यह प्रवेश द्वार के प्रतीक के रूप में स्तिथ है।
ग- मुंबई के आकाश में धरती खोजती गगनचुम्बी इमारतों को स्काई स्क्रेपर्स कहते है।
घ- मुंबई को मायानगरी इसलिए कहा जाता है क्यूंकि जो भी व्यक्ति मुंबई जाता है वह उसकी चकचौंद में खोकर वही का होकर रह जाता है।

3. क-शेयरबाजार ख- फैशनबल ग- आयत-निर्यात घ- टापू

4. क-मुंबई ख- बंदरगाह ग- सूती-वस्त्रों का 5- Do it yourself. 6- Do it yourself.

7. क-प्र(उपसर्ग)= प्रमुख(मूलशब्द) ख- अति(उपसर्ग)= अत्यंत (मूलशब्द)
ग- स्व(उपसर्ग)= स्वतंत्रता (मूलशब्द)

8. क-व्यापर (मूलशब्द), ई (प्रत्यय) ख- इतिहास (मूलशब्द), इक (प्रत्यय)
ग- प्रमाण (मूलशब्द), एत्त (प्रत्यय) घ- प्रधान(मूलशब्द), ता (प्रत्यय)
ड- सफल (मूलशब्द), ता (प्रत्यय)

9. क-धरातुम्भी ख-निर्यात ग- मृत्यु घ- असफलता ड- प्रारम्भ

10. क-देवी ख-युवती ग- नौकरानी घ- स्त्री ड-नेता

11. क-देवियों ख-अंग्रेज़ों ग- दर्शक घ- पत्रिकाएं ड-चट्टानें

12. क- बंदरगाह पर पानी के जहाज़ द्वारा आयत-निर्यात किया जाता है।
ख- मुंबई नगरी भारत कि आर्थिक राजधानी है।

ग- मुंबई का मायाजाल किसी को भी मुंबई की चकाचौंध से दूर नहीं जाने देता।
घ- भारत आधुनिक युग का निर्माता बनकर विश्व ख्याति पा रहा है।
ड- भारत में विभिन प्रकार की वस्तुओं का आयत-निर्यात होता है।

13. क-सकर्मक ख-अकर्मक ग- सकर्मक घ- सकर्मक ड-अकर्मक
14. क-साथ ख-के ग-के घ- के ड-साथ
15. Do it yourself. 16- Do it yourself. 17- Do it yourself. 18- Do it yourself.

Ch-12 (संचार के साधन)

1. क- 24 दिसंबर 1906 को रेडिओ का पहला प्रसारण हुआ।
ख- संचार का मुद्रण माध्यम समाचार पत्र है।
ग- मनोरंजन टेलीविज़न का प्रधान कार्य है।
घ- पंजाब केसरी, नवभारत टाइम्स, हिंदुस्तान टाइम्स,दैनिक जागरण आदि हिंदी के समाचार पत्र है।
2. क- जगदीश चंद्र बोस और इटली की मार्कोनी ने सन १९०६ में इंग्लैंड से अमेरिका तक बेतार यंत्रों के अपने संदेशों को भेजा।
ख- टेलीविज़िन का अविष्कार जॉन लोगी बेयर्ड ने सन १९२४ में किया जो स्कॉटलैंड के निवासी थे।
ग- चार्ल्स बेबस ने कंप्यूटर नमक इलेक्ट्रॉनिक मशीन का अविष्कार किया। इसके उपयोग के द्वारा हम अपने विचरों को तर्कसंगत आधार पर खोजने, गणना करने, अपने कार्यक्षेत्रों सम्बन्धी आंकड़ों को इसकी भंडारण स्मृति में रखने के साथ-साथ इंटरनेट की सहायता से देश-विदेश में घर बैठे मुलाक़ात भी कर सकते है
घ-w.w.w. का पूरा नाम वर्ल्ड वाइड वेब है। इसके उपयोग से हम दुनिया में कहीं भी घर बैठे न सिर्फ संपर्क साध सकते है बल्कि देश दुनिया के विषय में जानकारी भी प्राप्त कर सकते है
3. क-जादुई ख-जगदीशचंद्र बोस ग-मार्टिन कूपर घ- 24 दिसंबर 1906
4. क-पठन ख- टी.वी. ग- ढूँढना घ- इलेक्ट्रॉनिक
5. क-सही ख- सही ग- सही घ- गलत
6. क-iv ख- iii ग- ii घ- i
7. क- समाचार पत्र,रेडियो,इंटरनेट,बातचीत ख- इंटरनेट ग- पठन माध्यम घ-कंप्यूटर
8. Do it yourself. 9- Do it yourself. 10- Do it yourself.
11. क- मशीनें ख- अविष्कारों ग-स्टेशनों घ- ध्वनियाँ ड- कार्यक्रमों च- दुनिया
12. क- खत,चिट्ठी,किसलय ख- जिंदगी,हयात,जीनकाल
ग-हिंदुस्तान,इंडिया,भारतवर्ष घ- इंसान,मनुष्य,मानव
13. क- जगदीश चंद्र बोस ने भारतवर्ष को रदियों के माध्यम से पहली बार सम्बोधित किया था।
ख- इंटरनेट की सहायता से हम देश-विदेश में घर बैठे अपने सगे-सम्बन्धियों से मुलाक़ात भी कर सकते है।
ग- आजकल दुनियाभर में इंटरनेट संचार के माध्यम का सबसे तीव्र और प्रसिद्ध साधन बन गया है।
घ- हमें अपने विचारों का आदान-प्रदान करते रहना चाहिए।
14. क- सत्य,स्वरूप,प्रगतिशील ख- निसंदेह, आविष्कार ग-प्रत्यन,परिश्रम,अदम्य घ-सुदीप,बदमिजाज़
15. क- मानव+ता ख- दिन+इक ग-समाज+इक घ-भारत+ईय
16. Do it yourself. 17- Do it yourself. 18- Do it yourself.
19. - Do it yourself.

Ch-13 (हम पंछी उन्मुक्त गगन वेफ)

1. क- पंछी उन्मुक्त गगन में उड़ना चाहते है।
ख- आसमान में पिंजरबद्ध पंछी नहीं गा पाएंगे। ग- पंछी उन्मुक्त होकर रहना चाहते है।
घ- पंछी कटुक निबौरी को खाना पसंद करते है।
ड- पंछियों के पंख टूट जाने पर वेज आकुल उड़न नहीं भर पाएंगे।

2. क- पिंजरे में बंद होकर पंछी इसलिए नहीं रहना चाहते क्यूंकि पिंजरे में रहकर वह अपनी उड़ने की गति भूल जाते है।
ख- पंछी निवेदन करते है कि भले नीड़ न दो, भले टहनी का आश्रय छिन-भिन कर डालो, लेकिन अगर पंख दिए है तो हमारी आकुल उड़न में विघन न डालो।
ग- पिंजरबद्ध पंछी यह सपने देख रहा है कि पेड़ कि फुनगी पर झूले झूलकर हम नील गगन की सीमा को पाने उड़ते,तो कभी लाल चोंच से तारक अनार के दाने चुगते, कभी सीमाहीन क्षितिज को छूने की चाह में पंखों की होडा-होड़ी लगती।
घ- पंछी यह अरमान लेकर जी रहा है कि जिस प्रकार पेड़ की फुनगी पर झूले झूलकर गगन को छूने की चाह भरी जाती है काश! हूम भी इसी प्रकार नील-गगन की सीमा पाने के अरमान में उड़ते।
ड- प्रस्तुत कविता में पंछियों की तुलना इंसानों से की गयी है।
3. Do it yourself. 4-क- घोसला ख- बसेरा ग- धरती घ- ब्याध ड- बंधन से मुक्त
5. Do it yourself. 6- क- के विपरीत ख- के द्वारा ग- के साथ घ- के नीचे
7. क- बहुत ख- इतनी ग- गहरे घ- सबसे
8. क- भो+अन्न = अयादि संधि ख-सर+अंश= स्वर संधि ग- सम+कल्प= व्यंजन संधि
घ- अभय+आगत= स्वर संधि ड- अति+आचार=स्वर संधि च- उत+लास= व्यंजन संधि
9. क- पूजा का घर ख-घोड़े पर सवार ग- गौ का मुख घ- राजा का कुमार
ड- जिसकी ख़बर न हो
10. Do it yourself. 11- Do it yourself. 12. - Do it yourself.

Ch-14 (सत्यवादी राजा हरिश्चंद)

1. क- राजा हरिश्चंदर ने विश्वामित्र को अयोध्या नगरी दान में दी थी।
ख- राजा हरिश्चंदर ने विश्वामित्र को आसान ग्रहण करने के लिए कहा।
ग- विश्वामित्र जी ने दान लेने के बाद राजा से दक्षिणा की मांग की।
घ- अयोध्या नगरी छोड़ राजा हरिश्चंदर काशी नगरी आ गए थे।
2. क- राजा हरिश्चंदर ने विश्वामित्र को वचन देते हुए राजा ने यह प्रतिज्ञा की कि वह दान दी हुई वास्तु को कभी पुनः: प्राप्ति की इच्छा में नहीं लाएंगे।
ख- राजा हरिश्चंदर ने पत्नी एवं पुत्र को सेठ को बेचा ताकि दान के पश्चात विश्वामित्र जी को दक्षिणा देकर स्वयं को ऋण मुक्त कर सके।
ग- राजा की सत्यता,निष्ठा देखकर विश्वामित्र जी प्रसन्न हुए और उन्होंने पुनः:अयोध्या नगरी राजा को भेंट स्वरूप दे दी। इसी कारण से राजा को उनकी नगरी वापस मिली।
घ- राजा हरिश्चंदर की निष्ठा,सत्यता जैसे गुणों की ख़्याति संसार में प्रसिद्ह हुई।
3. क- आसन ख-दक्षिणा ग- निराली घ- शमशानपति ड- वत्स रोहिताश्व!
4. Do it yourself.
5. क- शमशान ख-आजादशत्रु ग- कुलीन घ- निशाचर ड- जिजीविषा
6. क- काशी एक धार्मिक नगरी है। ख- राजा हरिश्चंदर सत्यवादी राजा थे।
ग- संसार में प्रत्येक वस्तु सौभाग्य से मिलती है।
घ- राजा हरिश्चंदर को अपनी निष्ठा,सत्यता के चलते कई दारुण दुखों से गुजरना पड़ा था।
ड-समय की गति कभी नहीं रूकती है।
7. क- गैरकानूनी, गैरज़िम्मेदार ख-लापता, लाचार ग- स्वभाव, स्वागत
घ- सज्जन, सत्कर्म
8. क- सेठानी ख-विदुषी ग-कवियत्री घ- देवी
9. क-सौ ख-अच्छा ग-काले घ- अधिक ड- नीले
10. Do it yourself. 11. Do it yourself. 12. Do it yourself.
13. Do it yourself.